B.A Part I
Paper IInd

गुणक का महत्त्व :—
(Importance of multiplier)

आय तथा रोजगार सिद्धान्त के सम्बन्ध में केन्ज का एक अत्यन्त महत्त्वपूर्ण योगदान गुणक की धारणा है। जैसा रिचर्ड गुडविन (Richard Goodwin) ने ठीक ही कहा है, "लार्ड केन्ज़ ने गुणक की खोज निकालने का काम नहीं किया, यह श्रेय तो आर.एफ. काहन को ही जाता है। परन्तु ~~केन्ज~~ केन्ज़ ने इसका सड़क-निर्माण के विश्लेषण के साधन से आय-निर्माण के विश्लेषण के साधन में रूपान्तरण करके वह कार्य सौंपा जो यह आज भी कर रहा है।... इसने आर्थिक विचार के ढांचे के माध्यम से स्वच्छ वायु का संचार प्रारम्भ कर दिया।"

इसका महत्त्व निम्नलिखित बातों में निहित है–

1. निवेश (Investment) - गुणक सिद्धान्त आय तथा रोजगार के सिद्धान्त में निवेश के महत्त्व को दर्शाता है। क्योंकि अल्पकाल के दौरान उपभोगफलन स्थिर रहता है, इसलिए निवेश दर में उतार-चढ़ाव के कारण ही आय तथा रोजगार में उतार-चढ़ाव आते हैं। निवेश में कमी के परिणामस्वरूप आय तथा रोजगार में गुणक प्रक्रिया से ~~संचयी~~ संचयी कमी आती है। इस प्रकार यह निवेश के महत्त्व को प्रकट करता है और आय प्रजनन की प्रक्रिया की व्याख्या करता है।

2. व्यापार चक्र (Trade Cycles) - जब ब्याज की दर में परिवर्तन के कारण आय तथा रोजगार के स्तर में उतार-चढ़ाव आते हैं, तो गुणक प्रक्रिया व्यापार-चक्र के विभिन्न स्टेजों पर प्रकाश डालती है। जब निवेश में कमी होती है, तो आय तथा रोजगार संचयी ढंग से घटने लगते हैं। जिसके परिणामस्वरूप सुस्ती (recession) और अन्ततः मन्दी आती है। इसके विपरीत निवेश में वृद्धि ~~पुनरु~~- ~~पु~~ पुनरुत्थान (revival) करती है और यदि यह प्रक्रिया चलती रहे, तो तेजी (boom) लाती है। इस प्रकार, गुणक को व्यापार चक्रों में एक आवश्यक औजार समझा जाता है।

3. बचत निवेश समानता (Saving-Investment Equality) - यह बचत तथा निवेश के बीच समानता लाने में भी सहायक होता है। यदि बचत तथा निवेश के बीच अन्तर होता है, तो निवेश में वृद्धि गुणक प्रक्रिया के मार्ग से, प्रारम्भिक निवेश में ~~वृद्धि~~ वृद्धि की अपेक्षा अधिक मात्रा में; आय को बढ़ाती

Scanned by CamScanner

है। आय में वृद्धि के परिणामस्वरूप बचत भी ~~बढ़ती~~ बढ़ती है और निवेश के बराबर हो जाती है।

4. आर्थिक नीतियों का निर्माण (Formulation of Economic Policies)- गुणक आर्थिक नीतियों के निर्माण में, आधुनिक सरकारों के हाथों में, एक महत्त्वपूर्ण औजार है। इस प्रकार, यह नियम पहले से यह मान लेता है कि आर्थिक मामलों में राज्य-हस्तक्षेप हो।

5. पूर्ण रोजगार उपलब्ध करने के लिए (To Achieve Full Employment)- राज्य निर्णय करता है कि बेरोजगारी दूर करने और पूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने के लिए अर्थव्यवस्था में निवेश की कितनी मात्रा बढ़ाई जाए। निवेश में प्रारम्भिक वृद्धि से आय तथा रोजगार में जो वृद्धि होती है; वह निवेश में हुई वृद्धि की K गुणा होती है। यदि निवेश की एक अकेली मात्रा पूर्ण रोजगार लाने को अपर्याप्त हो, तो इस मतलब के लिए राज्य निवेश की लगातार मात्राएं तब तक करता रह सकता है; जब तक पूर्ण रोजगार स्तर नहीं आ जाता।

6. व्यापार-चक्रों पर नियंत्रण करने के लिए (To control Trade Cycles):- आय तथा रोजगार पर प्रभाव के आधार पर राज्य किसी व्यापार-चक्र में तेजियों तथा मन्दियों पर नियंत्रण कर सकता है। जब अर्थव्यवस्था को स्फीतिकारी दबावों का सामना करना पड़ता है, तो निवेश में कमी करके, राज्य उन पर काबू पा सकता है; जिसके परिणामस्वरूप गुणक प्रक्रिया के मार्ग से आय तथा रोजगार में संचयी कमी आ जाती है। दूसरी ओर, अवस्फीतिकारी स्थिति में निवेश में वृद्धि गुणक प्रक्रिया के माध्यम से आय तथा रोजगार का स्तर बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

7. घाटे का वित्त-प्रबंधन (Deficit Financing)- गुणक सिद्धान्त घाटे के वित्त-प्रबन्धन के महत्त्व को स्पष्ट करता है। मंदी की अवस्था में, ब्याज की दर घटाने की सस्ती मुद्रा नीति नहीं सहायक होती क्योंकि पूंजी की सीमान्त उत्पादकता इतनी कम होती है कि ब्याज की नीची दर निजी निवेश को प्रोत्साहन देने में असमर्थ रहती है। ऐसी स्थिति में, घाटे के बजट द्वारा बढ़ा हुआ सार्वजनिक व्यय पूंजी निवेश में K गुणा वृद्धि करके आय तथा रोजगार बढ़ाने में सहायक होता है।

Scanned by CamScanner

8. सार्वजनिक निवेश (Public Investment) - उपर्युक्त चर्चा सार्वजनिक निवेश नीति में गुणक के महत्त्व को प्रकट करती है। सार्वजनिक निवेश लोक-कल्याण में वृद्धि करने वाले सार्वजनिक निर्माण कार्य (public works) तथा अन्य निर्माण-कार्यों पर, राज्य-व्यय से सम्बन्ध रखता है। यह स्वायत्त (autonomous) और लाभ उद्देश्य से मुक्त होता है। इसलिए अर्थव्यवस्था में स्फीतिकारी तथा अवस्फीतिकारी दबावों पर काबू पाने और पूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने तथा बनाए रखने में यह अपेक्षाकृत अधिक शक्ति से लागू होता है। क्योंकि निजी निवेश लाभों के उद्देश्य से प्रेरित होता है, इसलिए वह तभी सहायक हो सकता है जब सार्वजनिक निवेश उसके अनुकूल स्थिति उत्पन्न कर दे। फिर, आर्थिक क्रिया को निजी उद्यम की सनक तथा अनिश्चितताओं पर नहीं छोड़ा जा सकता। अतः सार्वजनिक निवेश में गुणक का महत्त्व इस बात में निहित है कि वह आय तथा रोजगार का निर्माण अथवा नियंत्रण करता है।

9. सरकारी हस्तक्षेप (Government Interference) - गुणक सिद्धान्त इस बात पर बल देता है कि आय के स्तर में सन्तुलन बनाए रखने के लिए सरकारी हस्तक्षेप आवश्यक है जबकि आय के स्तर में वृद्धि के लिए निवेश में वृद्धि आवश्यक है। मुद्रा-स्फीति या अवस्फीति की स्थिति में भी सरकारी हस्तक्षेप आवश्यक है।

Scanned by CamScanner